Wednesday Times
National News paper

11:19 pm

National webinar held at Dairy Technology College

MASOOD TAIMURI (WednesdayTimes)

A national webinar on the topic "Sustainable Milk Production and Processing: Future for Engineers" was organized at Etawah Dairy Technology College under the guidance of Dr. Anand Kumar, Vice Chancellor of Chandrashekhar Azad University of Agriculture and Technology, Kanpur and the able leadership of Dean Dr. NK Sharma. Dr. NK Sharma welcomed all the key speakers and informed that the dairy experts of our school should know the problems of the farmers associated with the dairy business in Etawah and provide them technical solutions and provide detailed information about the benefits of the dairy industry to the farmers. Dr. Sharma informed that the Vice Chancellor has received permission to conduct the Efficacy Trial of Incent Protein Test by Hill Venture Bio Science LLP in the Fisheries College to conduct the Efficacy Test funded by external institutions in the university. Professor Dr. Ajit Singh of Fisheries College has been nominated for this test. As the keynote speaker in the webinar, Dr. S.B. Singh, Head, Banas Dairy Amul, Uttar Pradesh, talked about the need for improving rural life and socio-economic transformation through

dairy farming and providing opportunities for women to become self-reliant. He said that currently 87,000 women are associated with dairy farming and it would be appropriate to add more. He said that Banas Dairy, Banaras is providing embryo transplant facility to farmers to increase milk production. Another speaker, Manvendra Singh Bhadauria, Manager, Banas Dairy Amul, Kanpur Dehat, while discussing the purchase of milk, emphasized on reducing middlemen, so that farmers can get more benefits and also explained in detail its economic and social impact on the society. Another speaker Dr. Rambabu Singh, General Manager, Mother Dairy, Junagadh, Gujarat discussed the diversity in milk products like cheese, curd, butter, ice cream, kulfi etc. He emphasized on market expansion to meet consumer demand along with quality control. In the same sequence, Prashant Kumar Sudhakar, Junior Manager, Research and Development, Unipex Dairy Products, Dubai told about various practices of management and use of dairy waste. He emphasized on their recycling. He also discussed bioplastic, biofertilizer and biofuel. About 70 people participated in this webinar. Engineer Roli Kumari, Dr. Samarjit Singh, Pawan Kumar Yadav, Engineer Priyanka Yadav and Engineer Kasf Khan played the main role in implementing it.

11:21 pm

LUCKNOW | SATURDAY | MAY 17, 2025

...eak educational ties ..., Turkey & B'desh

when India's educational institutions and educationists should unite and oppose these countries. The previous agreements and educational partnerships should be reviewed afresh and cancelled. This will send a message to the whole world that India's education world is against terrorism".

DIVERSIFICATION OF DAIRY PRODUCTS DISCUSSED

A national webinar was organised at Chandra Shekhar Azad University of Agriculture and Technology (CSAUA&T) on the theme "Sustainable Milk Production and Processing: The Future for Engineers" under the guidance of Vice-Chancellor Dr Anand Kumar and leadership of Dean Dr NK Sharma. Welcoming the keynote speakers, Dr Sharma informed that the dairy experts from the university addressed the challenges faced by farmers engaged in dairy business in Etawah and provided them with technical solutions along with detailed insights into benefits of dairy industry.

He further informed that the university has received approval from the vice-chancellor to conduct an efficacy trial titled "Roficacy Trial of Instant Protein" funded by Hill Venture Bioscience LLP, to be carried out at the College of Fisheries, Etawah. Dr Ajit Singh, a faculty member of the college, has been appointed to lead this trial. Head of Banas Dairy Amul, Uttar Pradesh, Dr SB Singh, addressed the webinar as the chief guest.

He emphasised how dairy farming can improve rural livelihoods, bring about socio-economic changes and empower women. He noted that currently around 87,000 women are engaged in dairy farming and stressed the need to involve more. He also shared that Banas Dairy, Banaras is providing embryo transplant services to farmers to boost milk production.

Another speaker, Manvendra Singh Bhadauria, Manager at Banas Dairy Amul, Kanpur Dehat, spoke on milk procurement systems —organised and single point — and emphasised reducing the role of middlemen to ensure greater profitability for farmers.

दैनिक
उद्योग नगरी टाइम्स
E-mail : dainikudyognagritimes@gmail.com
सत्य ही कर्तव्य
वर्ष: 15 अंक :116 कानपुर, शनिवार 17 मई 2025 RNI UPHIN/2010/47220

दुग्ध प्रौद्योगिकी महाविद्यालय में हुआ राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन

अनवर अशरफ

कानपुर यू एन टी । चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉक्टर आनंद कुमार के निर्देशन एवं अधिष्ठाता डॉक्टर एन के शर्मा के कुशल नेतृत्व में सतत् दुग्ध उत्पादन और प्रसंस्करण = अभियंताओं के लिए भविष्य विषय पर राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन किया गया। डॉ एन के शर्मा ने सभी प्रमुख वक्ताओं का स्वागत करते हुए अवगत कराया कि हमारे विद्यालय के डेरी विशेषज्ञों को इटावा में डेरी व्यवसाय से जुड़े किसानों की समस्याओं को जानकर उनका तकनीकी समाधान करते हुए डेरी उद्योग से होने वाले लाभों की विस्तृत जानकारी किसानों को उपलब्ध कराई जाए। डॉक्टर शर्मा ने अवगत कराया कि विश्वविद्यालय में वाह्य संस्थानो द्वारा वित्त पोषित इफेकेशी परीक्षण संपादित करने के लिए हिल वेंचर बायो साइंस एलएलपी द्वारा रोफिकेशी ट्रायल ऑफ इंसेंट प्रोटीन परीक्षण को मत्स्य महाविद्यालय, इटावा में संपादित किए जाने की अनुमति कुलपति महोदय द्वारा प्राप्त हो गई है इस परीक्षण हेतु मत्स्य महाविद्यालय के प्राध्यापक डॉ अजीत सिंह को नामित किया गया है। वेबीनार में मुख्य वक्ता के रूप में डॉक्टर एस बी सिंह, हेड, बनास डेयरी अमूल, उत्तर प्रदेश ने डेयरी फार्मिंग द्वारा ग्रामीण जीवन में सुधार एवं सामाजिक आर्थिक परिवर्तन और महिलाओं को स्वावलंबी बनाए जाने के लिए अवसर प्रदान करने की जरूर को बताया। उन्होंने बताया कि अभी 87000 महिलाएं डेरी फार्मिंग से जुड़ी है और अधिक मात्रा में जोड़ा जाना उचित होगा। उन्होंने बताया कि दूध के उत्पादन को बढ़ाने के लिए बनास डेरी, बनारस ने एंब्रियो ट्रांसप्लांट सुविधा किसानों को उपलब्ध करा रहे हैं। एक अन्य वक्ता श्री मानवेंद्र सिंह भदौरिया मैनेजर, बनास डेरी अमूल, कानपुर देहात द्वारा दूध की खरीद जिसमें संगठित खरीद प्रणाली और एकल खरीद प्रणाली पर चर्चा करते हुए बिचौलियों को कम करने पर जोर दिया जिससे किसानों को अधिक लाभ मिल सके साथ ही इसका समाज पर आर्थिक एवं सामाजिक प्रभाव पर विस्तार से बताया। एक अन्य वक्ता डॉ रामबाबू सिंह, जनरल मैनेजर, मदर डेयरी, जूनागढ़, गुजरात द्वारा दुग्ध उत्पादो जैसे पनीर, दही, मक्खन, आइसक्रीम, कुल्फी आदि में विविधता पर चर्चा की उन्होंने गुणवत्ता नियंत्रण सहित उपभोक्ता मांग को पूरा करने के लिए बाजार विस्तार पर जोर दिया। इसी क्रम में वक्त प्रशांत

कुमार सुधाकर, जूनियर मैनेजर, रिसर्च एंड डेवलपमेंट, यूनीपेक्स डेरी प्रोडक्ट , दुबई ने डेयरी अपशिष्ट का प्रबंधन एवं उपयोग की विभिन्न प्रथाओं के बारे में बताया। उन्होंने उनके पुनर्चक्रण पर जोर दिया उन्होंने बायोप्लास्टिक, बायोफर्टिलाइजर एवं बायोफ्यूल पर भी चर्चा की इस वेबीनार में लगभग 70 लोगों ने प्रतिभाग किया। जिसको क्रियान्वित करने में मुख्य भूमिका इंजीनियर रोली कुमारी, डॉक्टर समरजीत सिंह, पवन कुमार यादव, इंजीनियर प्रियंका यादव एवं इंजीनियर कसफ खान की रही।

CMYK

सूर्योदय : 5:21
सूर्यास्त : 6:43
अधिकतम तापमान : 41.0
न्यूनतम : 29.0

RNI NO : UPHIN/2010/31173

डाक पंजीकरण संख्या:
SSP/LW/NP-422/2014-2016

वर्ष-18 अंक-322 पेज-16
मूल्य : 3 रुपया

लखनऊ, शनिवार, 17 मई 2025
18 जिक़ादा 1446 हिजरी

हिन्दी दैनिक
अवधनामा
www.avadhnama.com

दुग्ध प्रौद्योगिकी महाविद्यालय में राष्ट्रीय वेबीनार

अवधनामा ब्यूरो

इटावा। दुग्ध प्रौद्योगिकी महाविद्यालय में चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉक्टर आनंद कुमार के निर्देशन एवं डॉक्टर एन के शर्मा अधिष्ठाता डॉक्टर एन के शर्मा के नेतृत्व में ÷सतत् दुग्ध उत्पादन और प्रसंस्करण अभियंताओं के लिए भविष्य÷विषय पर राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन किया गया। डॉ एन के शर्मा ने सभी प्रमुख वक्ताओं का स्वागत करते हुए अवगत कराया कि हमारे विद्यालय के डेरी विशेषज्ञों को इटावा में डेरी व्यवसाय से जुड़े किसानों की समस्याओं को जानकर उनका तकनीकी समाधान करते हुए डेरी उद्योग से होने वाले लाभों की विस्तृत जानकारी किसानों को उपलब्ध कराई जाए। डॉक्टर शर्मा ने अवगत कराया कि विश्वविद्यालय में वाह्य संस्थानो द्वारा वित्त पोषित इफेकेशी परीक्षण संपादित करने के लिए हिल वेंचर बायो साइंस एलएलपी द्वारा रोफिकेशी ट्रायल ऑफ इंसेंट प्रोटीन परीक्षण को मत्स्य महाविद्यालय में संपादित किए जाने की अनुमति कुलपति द्वारा प्राप्त हो गई है इस परीक्षण हेतु मत्स्य महाविद्यालय के प्राध्यापक डॉ अजीत सिंह को नामित किया गया है।

वेबीनार में मुख्य वक्ता के रूप में डॉक्टर एस बी सिंह, हेड, बनास डेयरी अमूल, उत्तर प्रदेश ने डेयरी फार्मिंग द्वारा ग्रामीण जीवन में सुधार एवं सामाजिक आर्थिक परिवर्तन और महिलाओं को स्वावलंबी बनाए जाने के लिए अवसर प्रदान करने की जरूर को बताया उन्होंने बताया कि अभी 87 000 महिलाएं डेरी फार्मिंग से जुड़ी है और अधिक मात्रा में जोड़ा जाना उचित होगा उन्होंने बताया कि दूध के उत्पादन को बढ़ाने के लिए बनास डेरी, बनारस ने एंब्रियो ट्रांसप्लांट सुविधा किसानों को उपलब्ध करा रहे हैं। एक अन्य वक्ता श्री मानवेंद्र सिंह भदौरिया मैनेजर, बनास डेरी अमूल, कानपुर देहात द्वारा दूध की खरीद जिसमें संगठित खरीद प्रणाली और एकल खरीद प्रणाली पर चर्चा करते हुए बिचौलियों को कम करने पर जोर दिया जिससे किसानों को अधिक लाभ मिल सके साथ ही इसका समाज पर आर्थिक एवं सामाजिक प्रभाव पर विस्तार से बताया। एक अन्य वक्ता डॉ रामबाबू सिंह, जनरल मैनेजर, मदर डेयरी, जूनागढ़, गुजरात द्वारा दुग्ध उत्पादो जैसे पनीर, दही, मक्खन, आइसक्रीम, कुल्फी आदि में विविधता पर चर्चा की उन्होंने गुणवत्ता नियंत्रण सहित उपभोक्ता मांग को पूरा करने के लिए बाजार विस्तार पर जोर दिया। इसी क्रम में वक्त प्रशांत कुमार सुधाकर, जूनियर मैनेजर, रिसर्च एंड डेवलपमेंट, यूनीपेक्स डेरी प्रोडक्ट, दुबई ने डेयरी अपशिष्ट का प्रबंधन एवं उपयोग की विभिन्न प्रथाओं के बारे में बताया। उन्होंने उनके पुनर्चक्रण पर जोर दिया उन्होंने बायोप्लास्टिक, बायोफर्टिलाइजर एवं बायोफ्यूल पर भी चर्चा की इस वेबीनार में लगभग 70 लोगों ने प्रतिभाग किया। जिसको क्रियान्वित करने में मुख्य भूमिका इंजीनियर रोली कुमारी, डॉक्टर समरजीत सिंह, पवन कुमार यादव, इंजीनियर प्रियंका यादव एवं इंजीनियर कसफ खान की रही। यह जानकारी मनीष सहाय मीडिया प्रभारी कृषि इंजीनियरिंग कॉलेज ने दी है।

संक्षिप्त समाचार

आग से खाक हो गया कीमती पौधों का बाग

डेयरी फार्मिंग से ग्रामीण महिलाओं को स्वावलंबी बनाए जाने की आवश्यकता

कानपुर, 16 मई। सीएसए के दुग्ध प्रौद्योगिकी महाविद्यालय में राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन हुआ। सीएसए के कुलपति डॉ आनंद कुमार के निर्देशन एवं अधिष्ठाता डॉक्टर एन के शर्मा के कुशल नेतृत्व में सतत् दुग्ध उत्पादन और प्रसंस्करण - अभियंताओं के लिए भविष्य विषय पर वैज्ञानिकों ने दुग्ध से जुड़े किसानों को जानकारी दी और बिलौलियों से बचने की सलाह दी। डॉ एन के शर्मा ने कहाकि हमारे विद्यालय के डेरी विशेषज्ञों को इटावा में डेरी व्यवसाय से जुड़े किसानों की समस्याओं को जानकर उनका तकनीकी समाधान करते हुए डेरी उद्योग से होने वाले लाभों की विस्तृत जानकारी किसानों को उपलब्ध कराई जाए। डॉक्टर शर्मा ने अवगत कराया कि विश्वविद्यालय में वाह्य संस्थानो द्वारा वित्त पोषित इफेकेशी परीक्षण संपादित करने के लिए हिल वेंचर बायो साइंस एलएलपी द्वारा रोफिकेशी ट्रायल ऑफ इसेंट प्रोटीन परीक्षण को मत्स्य महाविद्यालय, इटावा में संपादित किए जाने की अनुमति कुलपति द्वारा प्राप्त हो गई है।

भियान
जांच

ीम ने शुक्रवार
ीम ने अलग-
जांच के लिए
लय प्रताप सिंह
नगर, सरोजनी
काकादेव एवं
दही, बर्फी व

कार्यक्रम

द्विवे
ने '

कानपुर,
सोसाईटी
व टीच
कालोनी
विशेषज्ञ
जागरूक
छात्राओं
प्रधानाच
आशुतो
व अन्य

6 photos

Wednesday Times
National News paper

7:03 pm

If the rivers dry up, the existence of living beings will end- Pradeep

MASOOD TAIMURI (WednesdayTimes)
Etawah. A meeting of Ganga Samagra Yamuna Division Kanpur Province, which is committed to the conservation of rivers, was held in the auditorium of Narayan College of Science and Arts on Sunday. District coordinators, co-coordinators, dimension heads and workers of Etawah, Auraiya, Jalaun and Kanpur Dehat participated in the meeting. The meeting was inaugurated by Pradeep Bhadoria, Co-Provincial Karyavah of Rashtriya Swayamsevak Sangh Kanpur Province, by garlanding the picture of Maa Ganga and lighting a lamp.As the chief guest in the meeting, Pradeep Bhadoria told the workers that the conservation of Maa Ganga and her tributary rivers is a part of Indian culture. We consider her as mother. We cannot expect only from the government system for her conservation. This work will not happen until all people take a pledge to keep them clean by creating public awareness. Ganga Samagra has a huge responsibility in public awareness. As long as these rivers are there, we all are there. The day the rivers dry up, the existence of all living beings will also end.Rajesh Kumar, convenor of Kanpur province, while explaining the Vedic importance of rivers, mythological information related to them, explained in detail about the role of rivers in the current environmental problems. He also took information about the works of all the dimensions of Ganga Samagra and gave information about the upcoming programs. He gave instructions to expand Ganga Samagra, establish Ganga village and preserve the ponds and also administered oath to keep the tributary rivers clean along with Gangabai Yamuna. Yamuna division convenor Avnindra Singh conducted the meeting.Anil Guru, Organization Minister of Kanpur Province Surya Prakash, Dimension Head Subodh from Kanpur Province, District Convenor Etawah Abhinendra Chauhan, Auraiya District Convenor Manoj, Jalaun Convenor Virendra Dwivedi, Brajmohan from Kanpur countryside, Dr. Rajiv Chauhan, Pranjal Dubey, Aditya Sharma, Smriti Singh, Archana Dubey, Kartikeya Dubey, Barun Tiwari, Dhruv Verma, Hariom, Ramu Jadoun were present in the meeting.

7:03 pm

दुग्ध प्रौद्योगिकी महाविद्यालय में हुआ राष्ट्रीय वेबीनार

न्यूज़ वाणी ब्यूरो

इटावा। दुग्ध प्रौद्योगिकी महाविद्यालय में चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉक्टर आनंद कुमार के निर्देशन एवं डॉक्टर एनके शर्मा अधिष्ठाता डॉक्टर एनके शर्मा के कुशल नेतृत्व में सफल दुग्ध उत्पादन और प्रसंस्करण अभिकर्ताओं के लिए विविध विषय पर राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन किया गया। डॉ एनके शर्मा ने सभी प्रमुख वक्ताओं का स्वागत करते हुए अवगत कराया कि हमारे विद्यालय के डेरी विशेषज्ञों को इटावा में डेरी व्यवसाय से जुड़े किसानों की समस्याओं को जानकर उनका तकनीकी समाधान करते हुए डेरी उद्योग से होने वाले लाभों की विस्तृत जानकारी किसानों को उपलब्ध कराई जाए। डॉक्टर शर्मा ने अवगत कराया कि विश्वविद्यालय में वाह्य संस्थानों द्वारा वित्त पोषित इफेकेसी परीक्षण संपादित करने के लिए हिल वैयर बायो साइंस एलएलपी द्वारा सैफिकेसी ट्रायल ऑफ इंस्टेंट प्रोटीन परीक्षण को मत्स्य महाविद्यालय में संपादित किए जाने की अनुमति कुलपति द्वारा प्राप्त हो गई है। इस परीक्षण हेतु मत्स्य महाविद्यालय के प्राध्यापक डॉ अजीत सिंह को नामित किया गया है। वेबीनार में मुख्य वक्ता के रूप में डॉक्टर एसबी सिंह, हेड बनास डेयरी अमूल, उत्तर प्रदेश ने डेयरी फार्मिंग द्वारा ग्रामीण जीवन में सुधार एवं सामाजिक आर्थिक परिवर्तन और महिलाओं को स्वावलंबी बनाए जाने के लिए अवसर प्रदान करने की जरूर को बताया। उन्होंने बताया कि अभी 87000 महिलाएं डेरी फार्मिंग से जुड़ी है और अधिक मात्रा में जोड़ा जाना उचित होगा। उन्होंने बताया कि दूध के उत्पादन को बढ़ाने के लिए बनास डेरी, बनारस ने एंब्रियो ट्रांसप्लांट सुविधा किसानों को उपलब्ध करा रहे हैं। एक अन्य वक्ता श्री मानवेंद्र सिंह भदौरिया मैनेजर, बनास डेरी अमूल, कानपुर देहात द्वारा दूध की खरीद जिसमें संगठित खरीद प्रणाली और एकल खरीद प्रणाली पर चर्चा करते हुए बिचौलियों को कम करने पर जोर दिया जिससे किसानों को अधिक लाभ मिल सके। साथ ही इसका समाज पर आर्थिक एवं सामाजिक प्रभाव पर विस्तार से बताया। एक अन्य वक्ता डॉ रामबाबू सिंह, जनरल मैनेजर, मदर डेयरी, जूनागढ़, गुजरात द्वारा दुग्ध उत्पादों जैसे पनीर, दही, मक्खन, आइसक्रीम, कुल्फी आदि में विविधता पर चर्चा की उन्होंने गुणवत्ता नियंत्रण सहित उपभोक्ता मांग को पूरा करने के लिए बाजार विस्तार पर जोर दिया इसी क्रम में वक्ता प्रशांत कुमार सुधाकर, जूनियर मैनेजर, रिसर्च एंड डेवलपमेंट, गुलीवर्स डेरी प्रोडक्ट, मुंबई ने डेयरी अपशिष्ट का प्रबंधन एवं उपयोग की विभिन्न प्रथाओं के बारे में बताया। उन्होंने उनके पुनर्चक्रण पर जोर दिया उन्होंने बायोप्लास्टिक, बायोफर्टिलाइजर एवं बायोफ्यूल पर भी चर्चा की इस वेबीनार में लगभग 70 लोगों ने प्रतिभाग किया। जिसको क्रियान्वित करने में मुख्य भूमिका इंजीनियर रोली कुमारी, डॉक्टर समरजीत सिंह, पवन कुमार यादव, इंजीनियर प्रियंका यादव एवं इंजीनियर कासिफ खान की रही।

कानपुर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित वर्ष : 16 अंक : 322 कानपुर, शनिवार 17 मई 2025 नगर संस्करण पृष्ठ 12 मूल्य : 2.00 रुपए

राष्ट्रीय स्वरूप

दुग्ध प्रौद्योगिकी महाविद्यालय में हुआ राष्ट्रीय वेबीनार

कानपुर(स्वरूप संवाददाता)। सीएसए के कुलपति डॉक्टर आनंद कुमार के निर्देशन एवं अधिष्ठाता डॉक्टर एन के शर्मा के कुशल नेतृत्व में सतत् दुग्ध उत्पादन और प्रसंस्करण = अभियंताओं के लिए भविष्य विषय पर राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन किया गया। डॉ एन के शर्मा ने सभी प्रमुख वक्ताओं का स्वागत करते हुए अवगत कराया कि हमारे विद्यालय के डेरी विशेषज्ञों को इटावा में डेरी व्यवसाय से जुड़े किसानों की समस्याओं को जानकर उनका तकनीकी समाधान करते हुए डेरी उद्योग से होने वाले लाभों की विस्तृत जानकारी किसानों को उपलब्ध कराई जाए। डॉक्टर शर्मा ने अवगत कराया कि विश्वविद्यालय में वाह्य संस्थानो द्वारा वित्त पोषित इफेकेशी परीक्षण संपादित करने के लिए हिल वेंचर बायो साइंस एलएलपी द्वारा रोफिकेशी ट्रायल ऑफ इसेंट प्रोटीन परीक्षण को मत्स्य महाविद्यालय, इटावा में संपादित किए जाने की अनुमति कुलपति महोदय द्वारा प्राप्त हो गई है इस परीक्षण हेतु मत्स्य महाविद्यालय के प्राध्यापक डॉ अजीत सिंह को नामित

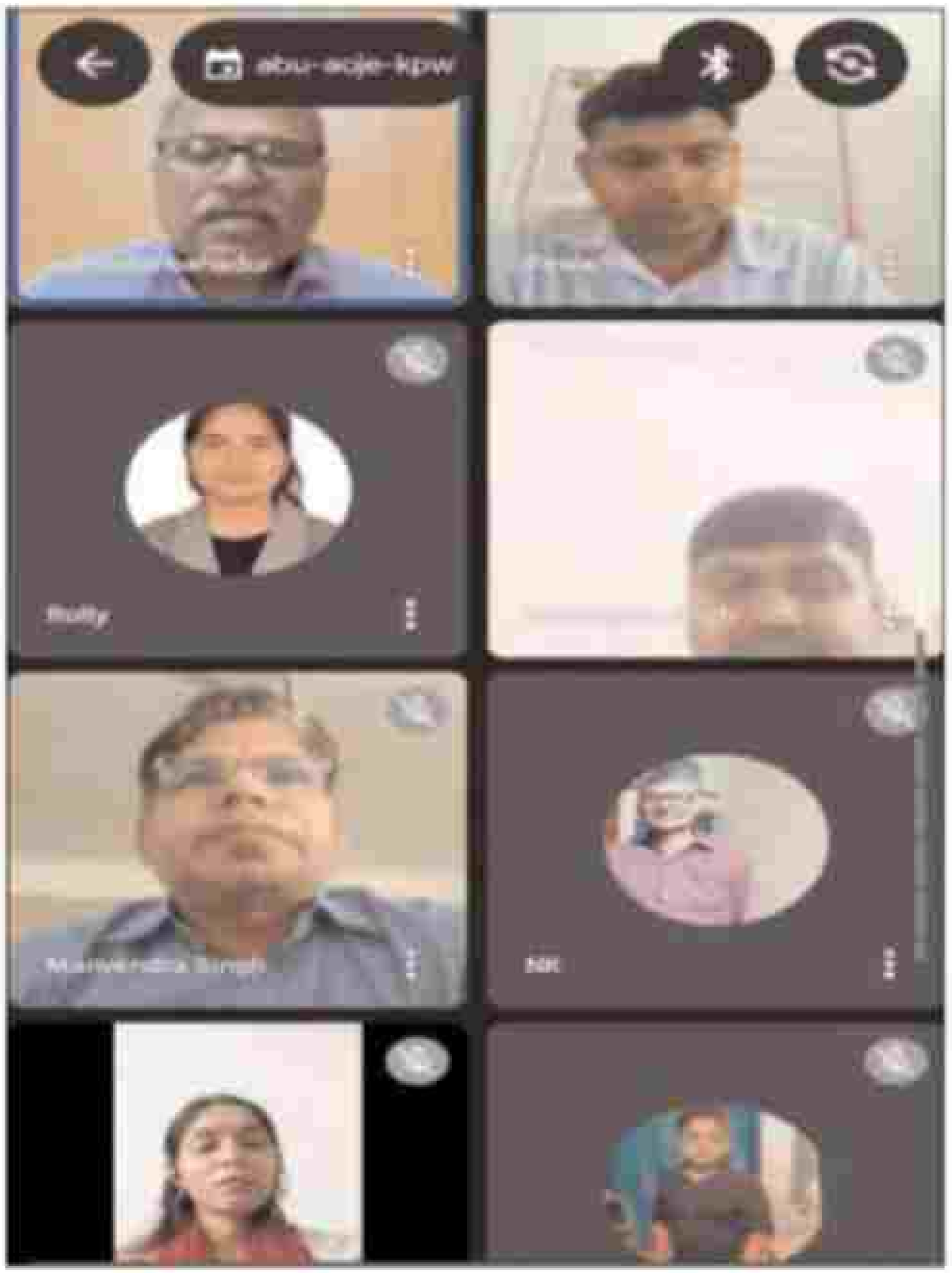

किया गया है। वेबीनार में मुख्य वक्ता के रूप में डॉक्टर एस बी सिंह, हेड, बनास डेयरी अमूल, उत्तर प्रदेश ने डेयरी फार्मिंग द्वारा ग्रामीण जीवन में सुधार एवं सामाजिक आर्थिक परिवर्तन और महिलाओं को स्वावलंबी बनाए जाने के लिए अवसर प्रदान करने की जरूर को बताया। उन्होंने बताया कि अभी 87000 महिलाएं डेरी फार्मिंग से जुड़ी है और अधिक मात्रा में जोड़ा जाना उचित होगा। उन्होंने बताया कि दूध के उत्पादन को बढ़ाने के लिए बनास डेरी, बनारस ने एंब्रियो ट्रांसप्लांट सुविधा किसानों को उपलब्ध करा रहे हैं। एक अन्य वक्ता श्री मानवेंद्र सिंह भदौरिया मैनेजर, बनास डेरी अमूल, कानपुर देहात द्वारा दूध की खरीद जिसमें संगठित खरीद प्रणाली और एकल खरीद प्रणाली पर चर्चा करते हुए बिचौलियों को कम करने पर जोर दिया जिससे किसानों को अधिक लाभ मिल सके साथ ही इसका समाज पर आर्थिक एवं सामाजिक प्रभाव पर विस्तार से बताया।

when India's educational institutions and educationists should unite and oppose these countries. The previous agreements and educational partnerships should be reviewed afresh and cancelled. This will send a message to the whole world that India's education world is against terrorism".

DIVERSIFICATION OF DAIRY PRODUCTS DISCUSSED

A national webinar was organised at Chandra Shekhar Azad University of Agriculture and Technology (CSAUA&T) on the theme "Sustainable Milk Production and Processing: The Future for Engineers" under the guidance of Vice-Chancellor Dr Anand Kumar and leadership of Dean Dr NK Sharma. Welcoming the keynote speakers, Dr Sharma informed that the dairy experts from the university addressed the challenges faced by farmers engaged in dairy business in Etawah and provided them with technical solutions along with detailed insights into benefits of dairy industry.

He further informed that the university has received approval from the vice-chancellor to conduct an efficacy trial titled "Roficacy Trial of Instant Protein" funded by Hill Venture Bioscience LLP, to be carried out a' College of Fisheries, Etawah. Dr Singh, a faculty member of the col has been appointed to lead this trial. Head of Banas Dairy Amul, Uttar Pradesh, Dr SB Singh, addressed the webinar as the chief guest.

He emphasised how dairy farming can improve rural livelihoods, bring about socio-economic changes and empower women. He noted that currently around 87,000 women are engaged in dairy farming and stressed the need to involve more. He also shared that Banas Dairy, Banaras is providing embryo transplant services to farmers to boost milk production.

Another speaker, Manvendra Singh Bhadauria, Manager at Banas Dairy Amul, Kanpur Dehat, spoke on milk procurement systems —organised and single point — and emphasised reducing the role of middlemen to ensure greater profitability for farmers.

दुग्ध प्रौद्योगिकी महाविद्यालय में हुआ राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन

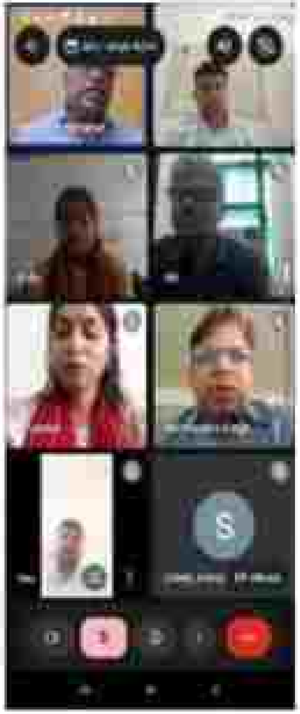

[illegible]

Wednesday Times
National News paper

8:59 pm

Farewell concluded in Agricultural Engineering Faculty

MASOOD TAIMURI (WednesdayTimes) A farewell party for the final year students of Agricultural Engineering College, Dairy Technology College, Fisheries Science College, run under Etawah Chandrashekhar Azad University of Agriculture and Technology, was organized in front of the academic campus of Agricultural Engineering College in the presence of Dean Dr. NK Sharma. Vikram Singh, Police Station Incharge, Civil Line, was present as the chief guest in the program. The chief guest wished all the students a bright future. Newly appointed Dean of Fisheries College Dr. Ajit Singh was also present in this program. He explained the rationale behind celebrating the farewell. The program was conducted by third year students Meenakshi Gautam, Tanishq Tomar, Priya Kushwaha, Akhilesh Verma. In the program, the final year students recited poems, jokes, mimicry and shared the moments and experiences spent in the college with everyone. All the faculty of the college were present in the program. The main roles in the implementation of the program were played by Dr. K. K. Patel, Co-Dean Student Welfare, Dr. Ashish Kumar, Dr. Khushboo Gupta, Engineer Pankaj Kumar, Dr. Shweta Dubey, Engineer Neerja Sharma, Engineer Maliha [illegible], Engineer Kasf Khan, Manish Sahay.

सत्य का असर समाचार पत्र

19,05,2025Jksingh, hardoi Gmail com मोबाइल नंबर 9956834016

पत्रकार जितेंद्र कुमार सिंह पटेल

सीएसए के कृषि अभियंत्रण संकाय में संपन्न हुआ फेयरवेल।

पत्रकार जितेंद्र कुमार सिंह पटेल सत्य का असर समाचार पत्र कानपुर चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के अधीन संचालित कृषि इंजीनियरिंग कॉलेज, दुग्ध प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय के अंतिम वर्ष के छात्रों की फेयरवेल पार्टी का आयोजन कृषि इंजीनियरिंग कॉलेज के अकादमिक परिसर के सामने अधिष्ठाता डॉक्टर एन के शर्मा की उपस्थिति में किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में विक्रम सिंह, थाना प्रभारी, सिविल लाइन उपस्थित हुए। मुख्य अतिथि ने सभी छात्रों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस कार्यक्रम में मत्स्य महाविद्यालय के नवनियुक्त अधिष्ठाता डॉ अजीत सिंह भी उपस्थित हुए। उन्होंने फेयरवेल को मनाए जाने के औचित्य को समझाया। कार्यक्रम का संचालन तृतीय वर्ष के विद्यार्थियों मीनाक्षी गौतम, तनिष्क तोमर, प्रिया कुशवाहा, अखिलेश वर्मा द्वारा किया गया। कार्यक्रम में अंतिम वर्ष के छात्रों द्वारा कविता पाठ, चुटकुले, मिमिक्री और महाविद्यालय में बिताए हुए पलों और अनुभवों को सभी के साथ साझा किया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय की समस्त फैकल्टी उपस्थिति रही। कार्यक्रम के क्रियान्वयन में मुख्य भूमिका डॉक्टर के के पटेल सह अधिष्ठाता छात्र कल्याण ,डॉक्टर आशीष कुमार, डॉक्टर खुशबू गुप्ता,इंजीनियर पंकज कुमार,डॉक्टर श्वेता दुबे, इंजीनियर नीरजा शर्मा, इंजीनियर मलीहा खानम, इंजीनियर कसफ खान, मनीष सहाय की रही।

कानपुर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित वर्ष : 16 अंक : 324 कानपुर, सोमवार 19 मई 2025 नगर संस्करण पृष्ठ 12 मूल्य : 2.00 रुपए

राष्ट्रीय स्वरूप

...समग्र

...आवश्यक दिशा ...जनप्रतिनिधियों ... ज्वाइंट सीपी, ... मुख्य विकास ... नगर एवं ...आई समेत सभी ...अधिकारी भी

कृषि अभियंत्रण संकाय में संपन्न हुआ फेयरवेल

कानपुर (स्वरूप संवाददाता)। सीएसए के अधीन संचालित कृषि इंजीनियरिंग कॉलेज, दुग्ध प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय के अंतिम वर्ष के छात्रों की फेयरवेल पार्टी का आयोजन कृषि इंजीनियरिंग कॉलेज के अकादमिक परिसर के सामने अधिष्ठाता डॉक्टर एन के शर्मा की उपस्थिति में किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में विक्रम सिंह, थाना प्रभारी, सिविल लाइन उपस्थित हुए। मुख्य अतिथि ने सभी छात्रों के उज्वल भविष्य की कामना की। इस कार्यक्रम में मत्स्य महाविद्यालय के नवनियुक्त अधिष्ठाता डॉ अजीत सिंह भी उपस्थित हुए।

उन्होंने फेयरवेल को मनाए जाने के औचित्य को समझाया। कार्यक्रम का संचालन तृतीय वर्ष के विद्यार्थियों मीनाक्षी गौतम, तनिष्क तोमर, प्रिया कुशवाहा, अखिलेश वर्मा द्वारा किया गया।

कार्यक्रम में अंतिम वर्ष के छात्रों द्वारा कविता पाठ, चुटकुले, मिमिक्री और महाविद्यालय में बिताए हुए पलों और अनुभवों को सभी के साथ साझा किया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय की समस्त फैकल्टी उपस्थिति रही।

विश्व...

कानपुर (स्वरूप... थैलेसीमिया माह 20... कानपुर थैलेसीमिक ... डॉ वी भट्टाचार्य ... अस्पताल बाल रोग वि... डॉ शैलेंद्र गौतम के... नि:शुल्क एचएलए ... आयोजन किया गया। ... सोसायटी के अध्यक्ष... बताया कि थैलेसीमि... रक्त विकार है जिसमें ... से हीमोग्लोबिन नहीं ... रोगी को बार-बार ... आवश्यकता होती है। ... मदद से बोन मैरो या ... के लिए उपयुक्त दा... थैलेसीमिया से पीड़ि... उपचार किया जा सक... कि थैलेसीमिया से पी... उम्र के बच्चों उनके ... एवं माता-पिता के वि... आयोजित किया ग... फोर्टिस अस्पताल ने ... प्रदान किया। इस ... कॉलेज के प्राचार्य ...

अमर भारती
एक उम्मीद
संस्करण
मूल्य: 03 रु. RNI No. UPHIN/2011/46455 www.amarbharti.com सोमवार, 19 मई 2025 शक सम्वत् 1947, ज्येष्ठ

कवि
सुनहरी
अपने घर
रावलपिंडी
नुकसान
इक झटके

कृषि अभियंत्रण संकाय में हुआ फेयरवेल

कानपुर (अमर भारती ब्यूरो)। सीएसए के अधीन संचालित कृषि इंजीनियरिंग कॉलेज, दुग्ध प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय के अंतिम वर्ष के छात्रों की फेयरवेल पार्टी का आयोजन कृषि इंजीनियरिंग कॉलेज के अकादमिक परिसर के सामने अधिष्ठाता डॉक्टर एन के शर्मा की उपस्थिति में किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में विक्रम सिंह, थाना प्रभारी, सिविल लाइन उपस्थित हुए। मुख्य अतिथि ने सभी छात्रों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस कार्यक्रम में मत्स्य महाविद्यालय के नवनियुक्त अधिष्ठाता डॉ अजीत सिंह भी उपस्थित हुए। उन्होंने फेयरवेल को मनाए जाने के औचित्य को समझाया।

न्यूज डायरी

अमर उजाला 19/05/2025

फेयरवेल पार्टी में साझा किए अनुभव

सीएसए में फेयरवेल पार्टी के दौरान छात्र। स्रोत : सीएसए

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीएसए) के अधीन संचालित कृषि इंजीनियरिंग कॉलेज, दुग्ध प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय के अंतिम वर्ष के छात्रों की फेयरवेल पार्टी का आयोजन कृषि इंजीनियरिंग कॉलेज में किया गया। कार्यक्रम का संचालन मीनाक्षी गौतम, तनिष्क तोमर, प्रिया कुशवाहा, अखिलेश वर्मा ने किया। कार्यक्रम में अंतिम वर्ष के छात्रों की ओर से कविता पाठ, चुटकुले और मिमिक्री करने के साथ ही महाविद्यालय के अनुभवों को साझा किया। डॉ. आशीष कुमार, डॉ. खुशबू गुप्ता, पंकज कुमार, डॉ. श्वेता दुबे, नीरजा शर्मा, मलीहा खानम, कसफ खान, मनीष सहाय मौजूद रहे। (ब्यूरो)

कृषि इंजीनियरिंग कालेज के छात्र-छात्राओं ने की फेयरवेल पार्टी

जासं, इटावा: चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के अधीन संचालित कृषि इंजीनियरिंग कालेज, दुग्ध प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय के अंतिम वर्ष के छात्रों की फेयरवेल पार्टी हुई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि थाना प्रभारी सिविल लाइन विक्रम सिंह ने छात्र छात्राओं का उत्साहवर्धन किया।

यहां तृतीय वर्ष के विद्यार्थियों मीनाक्षी गौतम, तनिष्क तोमर, प्रिया कुशवाहा, अखिलेश वर्मा ने किया। अंतिम वर्ष के छात्रों द्वारा कविता पाठ, चुटकुले, मिमिक्री और महाविद्यालय में बिताए हुए पलों और अनुभवों को सभी के साथ साझा किया गया।

कृषि इंजीनियरिंग कालेज में अंतिम वर्ष के छात्रों की फेयरवेल पार्टी में मौजूद छात्र • स्वयं

हो गए।

देशवासियों को झकझोर रख दिया

कृषि अभियंत्रण संकाय में संपन्न हुआ फेयरवेल

न्यूज वाणी ब्यूरो

इटावा। चंद्रशेखर आजाद .षि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के अधीन संचालित .षि इंजीनियरिंग कॉलेज, दुग्ध प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय के अंतिम वर्ष के छात्रों की फेयरवेल पार्टी का आयोजन .षि इंजीनियरिंग कॉलेज के अकादमिक परिसर के सामने अधिष्ठाता डॉक्टर एनके शर्मा की उपस्थिति में किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में विक्रम सिंह, थाना प्रभारी, सिविल लाइन उपस्थित हुए। मुख्य अतिथि ने सभी छात्रों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस कार्यक्रम में मत्स्य महाविद्यालय के नवनियुक्त अधिष्ठाता डॉ अजीत सिंह भी उपस्थित हुए। उन्होंने फेयरवेल को मनाए जाने के औचित्य को समझाया। कार्यक्रम का संचालन तृतीय वर्ष के विद्यार्थियों मीनाक्षी गौतम, तनिष्क तोमर, प्रिया कुशवाहा, अखिलेश वर्मा द्वारा किया गया। कार्यक्रम में अंतिम वर्ष के छात्रों द्वारा कविता पाठ, चुटकुले, मिमिक्री और महाविद्यालय में बिताए हुए पलों और अनुभवों को सभी के साथ साझा किया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय की समस्त फैकल्टी उपस्थिति रही कार्यक्रम के क्रियान्वयन में मुख्य भूमिका डॉक्टर के के पटेल सह अधिष्ठाता छात्र कल्याण ,डॉक्टर आशीष कुमार, डॉक्टर खुशबू गुप्ता,इंजीनियर पंकज कुमार डॉक्टर श्वेता दुबे, इंजीनियर नीरजा शर्मा, इंजीनियर मलीहा खानम, इंजीनियर कसफ खान, मनीष सहाय की रही।